मछली के पेट से की गई प्रार्थना

योना 1:17–2:10 · योना व्याख्यात्मक श्रृंखला · पास्टर हून किम

परमेश्वर ने मछली को तैयार किया

परमेश्वर ने मछली को योना को नष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि उससे मिलने और नए जीवन को जन्म देने के लिए एक गर्भ के रूप में तैयार किया।

संप्रभु ठहराव

परमेश्वर पहले से तैयार करता है

परमेश्वर ने एक बड़ी मछली तैयार की (Manah)

योना की पुस्तक में तैयारी का स्वरूप

अध्याय 1: प्रचंड आँधी · भारी तूफान · विशाल मछली

अध्याय 4: पौधा · कीड़ा · झुलसाने वाली पुरवाई · चिलचिलाती धूप

परमेश्वर प्रकृति और इतिहास का संप्रभु शासक है, जो अपने दास को जगाने के लिए परिस्थितियों को तैयार करता है।

गहराइयों में मोड़ का बिंदु

कोई कब्र नहीं, बल्कि एक गर्भ

योना 1:17 · पुल्लिंग मछली (Dag)
समुद्र में योना को निगलने के लिए ठहराया गया विशाल जीव

योना 2:1 · स्त्रीलिंग मछली (Dagah)
पेट एक गर्भ के समान काम करता है जो नए जीवन को जन्म देता है

तीन दिन और तीन रात: पुनर्जन्म का इनक्यूबेटर

आत्मिक मृत्यु

पुनरुत्थान का जीवन
नए सिरे से आज्ञाकारिता में चलने के लिए सूखी भूमि पर उगल दिया गया (योना 2:10)

वाचा का विशेषाधिकार

प्रार्थना का पवित्र स्थान

योना ने अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना की
प्रार्थना की आधारशिला: व्यक्तिगत वाचा के परमेश्वर को पुकारना (योना 2:1)

कठिनाई परमेश्वर से मिलने का स्थान है

संकट में, योना ने पुकारा और परमेश्वर ने गहराइयों से उसकी सुनी

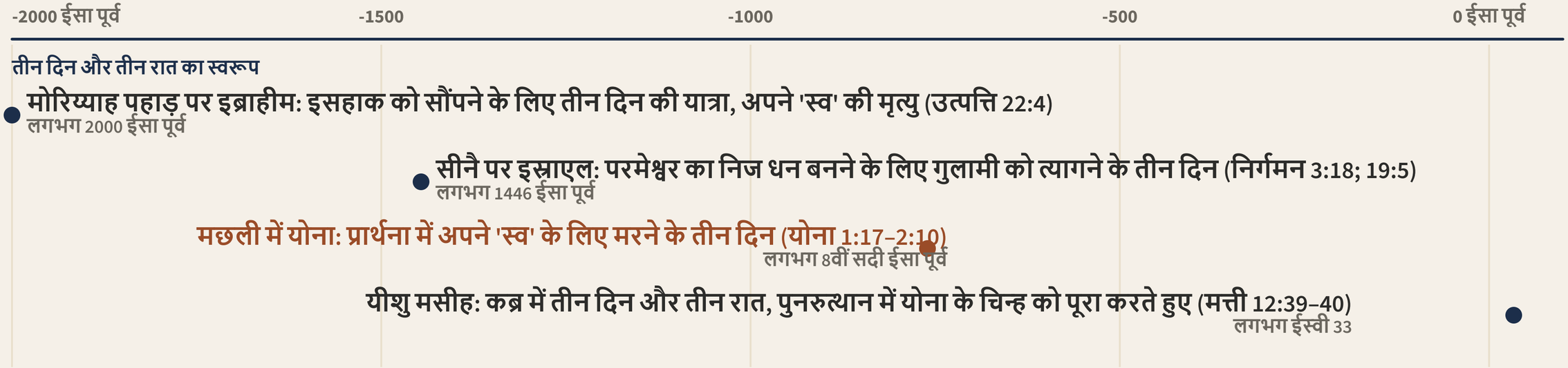
परमेश्वर सबसे पहले हमारे अस्तित्व पर ध्यान देता है, जैसे एक माँ अपने शिशु के रोने की आवाज़ सुनती है

हर परीक्षा एक तैयार किया गया स्थान है: एक ऐसा वातावरण जिसे परमेश्वर हमें अनुग्रह के सिंहासन के पास लाने के लिए ठहराता है।

योना

तीन दिन और तीन रात

तीन दिन और तीन रात उस समय को दर्शाते हैं जब पुराना 'स्व' मरता है और नया जीवन बाहर आना चाहिए।



योना

अपने परमेश्वर से प्रार्थना करना

योना ने अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना की, जिससे यह प्रकट होता है कि सच्ची प्रार्थना एक व्यक्तिगत वाचा के संबंध पर आधारित होती है।

